IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

छत्तीसगढ़ में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का विश्लेषण

डॉ. प्रीति कंसारा
सहायक प्राध्यापक–अर्थशास्त्र
शासकीय दू.ब.महिला महाविद्यालय,
रायपुर (छ.ग.)

शोध सारांश –

भारतीय अर्थव्यवस्था में पिछले कुछ दशकों से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र आर्थिक विकास के एक प्रमुख घटक के रुप में अत्यंत तेजी से उभरा है। यह क्षेत्र देश के समावेशी विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है। छत्तीसगढ़ में भी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद में अपने योगदान के साथ औद्योगिक उत्पादन, रोजगार एवं निर्यात के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, किंतु इस क्षेत्र में देश के अन्य राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ की भागीदारी अपेक्षाकृत काफी कम है।

अतः प्रस्तुत शोध पत्र में छत्तीसगढ़ में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का विभिन्न चरों के आधार पर विश्लेषण किया है, साथ ही छत्तीसगढ़ में उद्यमों के विकास हेतु उपयुक्त व संगत सुझावों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। शोध अध्ययन द्वितीयक समंकों पर आधारित है, जिसका संकलन मुख्यतः सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम आधार पंजीकरण, भारत सरकार, प्रकाशन वर्ष 2020–21 से किया गया है। इसके अलावा अध्ययन हेतु प्रकाशित शोधपत्रों, पत्रपत्रिकाओं एवं विभिन्न सरकारी प्रकाशनों का उपयोग किया गया है। समंकों के विश्लेषण हेतु प्रतिशत, माध्य एवं क्रम विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया है।

कुंजी शब्द – सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र, छत्तीसगढ़, आर्थिक विकास।

प्रस्तावना–

विश्व के कई देशों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र आर्थिक विकास का प्रमुख घटक बन चुका है। भारतीय अर्थव्यवस्था में में भी यह क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद में अपने योगदान के साथ औद्योगिक उत्पादन, रोजगार एवं निर्यात के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

यद्यपि भारत में अधिकांश लोग अपनी आजीविका कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से प्राप्त करते हैं, तथापि भारतीय अर्थव्यवस्था के संतुलित विकास हेतु उद्योग और सेवा जैसे अन्य क्षेत्रों का विकास भी आवश्यक है। भारत में कौशल के विकास के आधार पर उत्पादक रोजगार अवसर सृजित करने का प्रयास किया जा रहा है।

भारत में सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम अधिनियम 2006 के अंतर्गत उद्यम की अवधारणा परिभाषित की गई है। उद्यमों को मुख्य दो वर्गों में विभाजित किया गया है–

- विनिर्माण क्षेत्र– वे उद्यम जो वस्तुओं के निर्माता/उत्पादक हैं ।
- सेवा क्षेत्र – वे उद्यम जो सेवाएं प्रदान करते हैं।

लघु उद्यमों की परिभाषा में समय–समय पर परिवर्तन हुए हैं, जिसमें लघु उद्यमों में निवेश की सीमा में परिवर्तन किया गया है। भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की परिभाषा (अधिसूचना 2020) को तालिका क्रमांक 1 में प्रस्तुत किया गया है–

तालिका क्रमांक – 1

भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की परिभाषा

वर्गीकरण	संयंत्र और मशीनरी मे कुल विनियोग की सीमा	कुल टर्नओवर की सीमा
सूक्ष्म उद्यम क्षेत्र	01 करोड	05 करोड
लघु उद्यम क्षेत्र	10 करोड	50 करोड
मध्यम उद्यम क्षेत्र	50 करोड	250 करोड

छत्तीसगढ़ औद्योगिक संसाधनों की दष्टि से एक संपन्न राज्य है। यहां औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। प्रचुर प्राकतिक संसाधन, सस्ता मानव श्रम, उर्जा, खनिज संसाधनो की बहुलता ने राज्य के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। छत्तीसगढ़ में कई औद्योगिक पार्क एवं विकास केंद्रों की स्थापना की गई है। छत्तीसगढ़ की नवीन औद्योगिक नीति 2019–24 में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के विकास के माध्यम से राज्य के औद्योगिक विकास हेतु कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

अध्ययन के उद्देश्य –

1. छत्तीसगढ़ में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का विश्लेषण करना।
2. छत्तीसगढ़ में उद्यमों के विकास हेतु उपयुक्त व संगत सुझावों को प्रस्तुत करना।

शोध परिकल्पना–

- छत्तीसगढ़ में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का कम विकास हुआ है।

समंकों का संकलन –

प्रस्तुत अध्ययन द्वितीयक समंकों पर आधारित है, जिसका संकलन मुख्यतः सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, आधार पंजीकरण, भारत सरकार, प्रकाशन वर्ष 2020–21 से किया गया है। इसके अलावा अध्ययन हेतु शोधपत्रों, पत्रपत्रिकाओं एवं विभिन्न सरकारी प्रकाशनों का उपयोग किया गया है।

समंकों का विश्लेषण –

समंकों के विश्लेषण हेतु प्रतिशत, माध्य क्रम विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया है।

भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का विश्लेषण –

भारत के प्रमुख राज्यों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का क्रमवार विवरण अग्र तालिका क्रमांक 2 में दर्शाया गया है–

तालिका क्रमांक –2

भारत के प्रमुख राज्यों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का क्रमवार विवरण

क्र	राज्य	सूक्ष्म उद्यम	लघु उद्यम	मध्यम उद्यम	कुल उद्यम	प्रतिशत
1	महाराष्ट्र	1739564	229031	9941	1978536	19.34
2	तमिलनाडु	969219	133071	4338	1106628	10.81
3	उत्तरप्रदेश	885164	82151	3479	970794	9.49
4	मध्यप्रदेश	910859	54358	1764	966981	9.45
5	बिहार	904150	33106	1242	938498	9.17
6	गुजरात	729492	131976	6058	867526	8.48
7	राजस्थान	547423	73723	2413	623559	6.09
8	कर्नाटक	333350	74116	3739	411205	4.02
9	आंध्रप्रदेश	321658	56554	1691	379903	3.71
10	तेलंगाना	239490	81538	2363	323391	3.16
11	प.बंगाल	234639	33209	1824	269672	2.64
12	पंजाब	196434	35906	1114	233454	2.28
13	हरियाणा	169450	44518	2163	216131	2.11
14	दिल्ली	163147	43356	2175	208678	2.04
15	झारखंड	151758	17320	518	169596	1.66
16	केरल	119758	22210	1104	143072	1.40
17	उडीसा	116417	20745	799	137961	1.35
	छत्तीसगढ़	**64978**	**12612**	**626**	**78216**	**0.76**
	शेष अन्य राज्य	165473	40706	2488	208667	2.04
	भारत	**89,62,423**	**12,20,206**	**49,839**	**1,02,32,468**	**100**

Source- Registration of Micro, Small and Medium Enterprises. Udyog Aadhaar Memorandum, Govt of India.

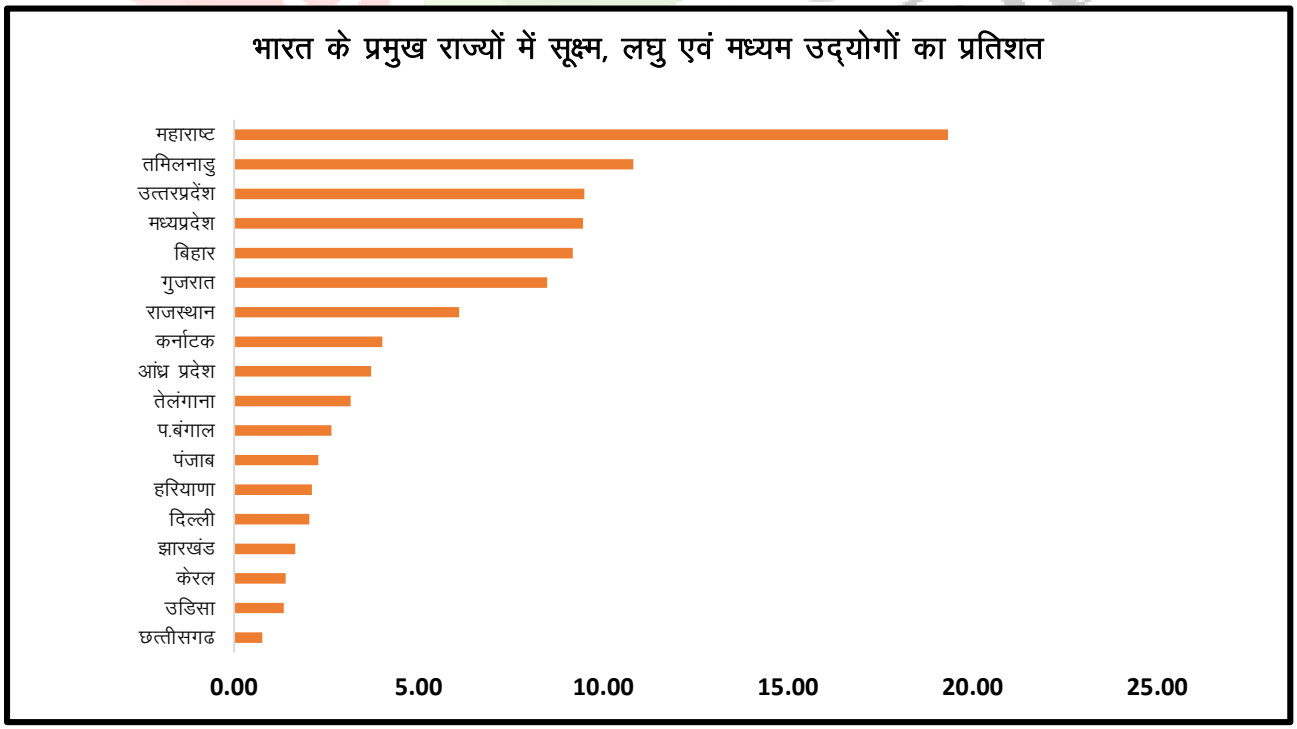

तालिका क्रमांक 2 से स्पष्ट है कि भारत में कुल सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र में पंजीकृत इकाईयों की संख्या **89,62,423** है। सर्वाधिक उद्यम क्रमशः महाराष्ट्र (19.34प्रतिशत), तमिलनाडु (10.81 प्रतिशत), उत्तरप्रदेश (9.49 प्रतिशत), मध्यप्रदेश (9.45 प्रतिशत) एवं बिहार में 9.17 प्रतिशत है। छत्तीसगढ में कुल पंजीकृत उद्यमों का प्रतिशत मात्र 0.76 प्रतिशत है। स्पष्ट है कि छत्तीसगढ में छत्तीसगढ़ में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का अपेक्षाकृत कम विकास हुआ है।

छत्तीसगढ़ में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का विश्लेषण –

छत्तीसगढ़ में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र में पंजीकृत इकाईयों का विवरण अग्र तालिका क्रमांक 3 में दर्शाया गया है–

तालिका क्रमांक –3

छत्तीसगढ़ में में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का सत्रवार विवरण

वर्ष	सूक्ष्म उद्यम	लघु उद्यम	मध्यम उद्यम	कुल उद्यम
2015–16	3526	1200	33	4759
2016–17	4463	1979	70	6512
2017–18	6887	1328	38	8253
2018–19	13232	1763	84	15078
2019–20	26760	3169	199	30128
2020–21	10110	3173	202	13485

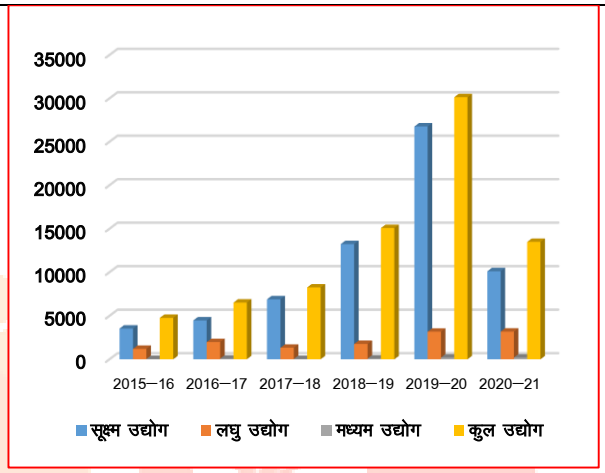

Source- Registration of Micro, Small and Medium Enterprises. Udyog Aadhaar Memorandum, Govt of India

तालिका क्रमांक 4 से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र में सत्र 2015–16 से 2019–20 तक निरंतर वृद्धि हुई है, किंतु 2020–21 में कोरोना महामारी के कारण इसकी संख्या में गिरावट आई हैं

छत्तीसगढ में क्षेत्र के अनुसार उद्यमों का विवरण –

छत्तीसगढ़ में उद्यम पंजीकरण रिपोर्ट 2020–21, के अनुसार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र में पंजीकृत इकाईयों का विवरण अग्र तालिका क्रमांक 4 में दर्शाया गया है–

तालिका क्रमांक – 4

छत्तीसगढ़ में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र में पंजीकृत इकाईयों का विवरण

उद्यम	संख्या	प्रतिशत
सूक्ष्म उद्यम	64978	83.08
लघु उद्यम	12612	16.12
मध्यम उद्यम	626	00.80
कुल	**78,216**	**100**

Source- Registration of Micro, Small and Medium Enterprises. Udyog Aadhaar Memorandum, Govt of India

तालिका क्रमांक 4 से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ में सूक्ष्म उद्यम में 83.08 प्रतिशत, लघु उद्यम में 16.12 प्रतिशत एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र में 00.80 प्रतिशत इकाईयां पंजीकृत हैं।

छत्तीसगढ़ में लिंग, व्यवसाय की प्रकृति, सामाजिक वर्ग एवं रोजगार के आधार पर उद्यमों का विश्लेषण –

तालिका क्रमांक –5

छत्तीसगढ़ में लिंग के अनुसार उद्यमों का विवरण

लिंग	सूक्ष्म उद्यम	लघु उद्यम	मध्यम उद्यम	कुल उद्यम	प्रतिशत
पुरुष	49285	8601	487	58373	**85.58**
महिला	8378	1391	54	9832	**14.41**
कुल	**75094**	**9992**	**541**	**68205**	**100**

Source- Registration of Micro, Small and Medium Enterprises. Udyog Aadhaar Memorandum, Govt of India.

उक्त तालिका क्रमांक 5 से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ में कुल लघु उद्यमों में महिलाओं द्वारा पंजीकृत उद्यमों का अनुपात 14. 41 प्रतिशत है, जबकि पुरुषों द्वारा पंजीकृत उद्यमों का अनुपात 85.58 प्रतिशत है।

तालिका क्रमांक – 6

छत्तीसगढ़ में व्यवसाय की प्रकृति के आधार पर उद्यमों का विवरण

व्यवसाय की प्रकृति	संख्या			कुल उद्यम	प्रतिशत
	सूक्ष्म उद्यम	लघु उद्यम	मध्यम उद्यम		
विनिर्माण क्षेत्र	16543	5559	207	22309	**28.52**
सेवा क्षेत्र	48435	7053	419	55907	**71.48**
कुल	**64,978**	**12,612**	**626**	**78,216**	**100**

Source- Registration of Micro, Small and Medium Enterprises. Udyog Aadhaar Memorandum, Govt of India.

उक्त तालिका क्रमांक 6 से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ में कुल उद्यमों में मात्र 28.52 प्रतिशत उद्यम विनिर्माण क्षेत्र में एवं अधिकांश 71.48 प्रतिशत उद्यम सेवा क्षेत्र में पंजीकृत हैं।

तालिका क्रमांक –7

छत्तीसगढ़ में सामाजिक वर्ग के अनुसार उद्यमों का प्रतिशत विवरण

वर्ग	संख्या			कुल	प्रतिशत
	सूक्ष्म उद्यम	लघु उद्यम	मध्यम उद्यम		
अनुसूचित जाति	5123	472	23	5618	**07.18**
अनुसूचित जनजाति	4547	213	14	4774	**06.10**
अन्य पिछड़ा वर्ग	26937	1740	87	28764	**36.77**
अन्य	28371	10187	502	39060	**49.95**
कुल	**64,978**	**12,612**	**626**	**78,216**	**100**

Source- Registration of Micro, Small and Medium Enterprises. Udyog Aadhaar Memorandum, Govt of India.

तालिका क्रमांक 7 से स्पष्ट है कि राज्य में कुल उद्यमों में सामान्य वर्ग में 49.95 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग में 36.77 प्रतिशत, अनुसूचित जाति 7.18 प्रतिशत एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग में 6.10 प्रतिशत उद्यम पंजीकृत हैं।

तालिका क्रमांक – 8

छत्तीसगढ़ में कुल रोजगार संख्या के आधार पर उद्यमों का विवरण

उद्यम	संख्या	प्रतिशत
सूक्ष्म उद्यम	238887	51.75
लघु उद्यम	189751	41.15
मध्यम उद्यम	32816	07.10
कुल	**4,61,454**	**100**

Source- Registration of Micro, Small and Medium Enterprises. Udyog Aadhaar Memorandum, Govt of India.

उक्त तालिका क्रमांक 8 से स्पष्ट है कि राज्य में सर्वाधिक रोजगार सूक्ष्म उद्यम में 51.75 प्रतिशत प्राप्त है। जबकि लघु उद्यम में 41.15 प्रतिशत एवं मध्यम उद्यम में मात्र 7.1 प्रतिशत लोगों को रोजगार प्राप्त है।

निष्कर्ष –

उपरोक्त विश्लेषण से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि भारत में कुल पंजीकृत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों में छत्तीसगढ़ की भागीदारी मात्र 0.76 प्रतिशत है, जिसमें अधिकांश उद्यम सामान्य वर्ग में पंजीकृत हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग में उद्यमों की संख्या कम है। अधिकांश उद्यम पुरुषों द्वारा पंजीकृत है एवं कुल उद्यमों में अधिकांश 71.48 प्रतिशत उद्यम सेवा क्षेत्र में पंजीकृत हैं।

इस प्रकार स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ में औद्योगिक एवं समावेशी विकास हेतु प्रयास आवश्यक हैं।

सुझाव –

छत्तीसगढ़ में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र के विकास हेतु बदलते आर्थिक परिदृश्य में उद्यमिता, रोजगार और जीविका के अवसर को प्रोत्साहित करने की दिशा में सरकार द्वारा निम्न प्रयास किया जाना चाहिए–

1. छत्तीसगढ़ मे ंयुवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अधिकाधिक नए अवसर उपलब्ध कराया जाना चाहिये।।
2. उद्योगों को उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने हेतु उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले व्यापारिक मेलों, प्रदर्शनी में सहभागिता हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।
3. नवीन स्थापित होने वाली इकाईयों को आवश्यकतानुसार सहायता दी जानी चाहिये।
4. राज्य में संचालित समस्त याजनाओं, कार्यक्रमों एवं नीतियों का प्रभावपूर्ण क्रियान्वयन किया जाना चाहिये।

इस प्रकार छत्तीसगढ़ में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र राज्य में रोजगार सृजन, निर्धनता, निवारण एवं क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

संदर्भ सूची–

- Arun Kumar Panda, MSMEs: New Engines of Growth & E mployment, Yojna, Sept. 2018.
- छत्तीसगढ की औद्योगिक नीति, 2019–24.
- लघु उद्यमों की 6वीं अखिल भारतीय गणना, 2018.
- MSME, Annual Report -2022-23
- Udyog Aadhaar Memorandum, Registration of Micro, Small and Medium Enterprises in India, Govt. of India, 2020-21.